एम्स में नहीं है कैंटीन की सुविधा

खाने-पीने के सामान के लिए परेशान होते हैं परिजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 7 नवम्बर. प्राइवेट अस्पतालों से बचकर सरकारी अस्पतालों में मरीज इलाज को तो पहुंच रहे हैं, लेकिन शहर के सबसे बड़े अस्पताल एम्स में मरीजों के खाने पीने के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है.

परिसर में एक कैंटीन है, जिसमें केवल स्टाफ के खाने की व्यवस्था है. वहीं एक अमूल पार्लर और एक नेस्कैफे उपलब्ध हैं, जिसमें केवल पैकेट के सामान ही उपलब्ध हो पाते हैं. ऐसे में दूर दराज से इलाज कराने आए मरीजों और उनके साथ वालों को परिसर के बाहर जाकर अपने खाने का बंदोबस्त करना पड़ता है, जिसमें बाहर के मनमाने मूल्य और लो क्वालिटी के कारण मरीजों का स्वास्थ्य खराब होने का डर भी सताता है. अस्पताल में इलाज कराने आई सुमन देवी ने बताया कि उनकी बहन यहां पर एडमिट है, उन्हें तो खाना मिल जाता है, लेकिन हम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. अस्पताल में कोई सुविधा नहीं है. बाहर से ही खाना लाना पड़ता है, उसकी गुणवत्ता भी ठीक नहीं रहती है. वही दूसरी तरफ अन्य मरीज पंकज कुमार ने बताया कि अपनी पत्नी को दिखाने के लिए जबलपुर से आए हैं.

> अस्पताल के फ्रंट में ही हमारे पास जगह उपलब्ध है. इसके लिए हमने सीएसआईआर से बजट की मांग भी रखी है. जैसे ही बजट आ आवंटन होगा। हम इस ओर कार्य करके कैंटीन की सुविधा लोगों को देंगे। जिसमें करीब 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी।
>
> **संदेश जैन**
> डिप्टी डायरेक्टर, एम्स भोपाल

बारिश बंद होने के बाद भी नहीं सुधर रही सड़कों की स्थिति

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 07 नवंबर. शहर में बारिश का मौसम खत्म हो चुके महीना बीत गया पर नगर निगम और पीडब्ल्यूडी की ओर से सड़क मरम्मत का काम नजर नहीं आ रहा.

जनप्रतिनिधि बारिश के मौसम में प्रश्न पूछे जाने पर ये तर्क देते हुए आश्वासन देते थे कि बारिश के बाद ही मरम्मत का काम शुरू होगा और सड़को को ठीक कर दिया जाएगा. अब नवंबर आ जाने पर भी शहर के कई इलाको की टूटी-फूटी सड़कों पर गड्ढे और गिट्टी से उभरी सड़के ज्यों के त्यों पड़ी हैं और लोग मजबूरन उन हालात में ही आना जाना कर रहे हैं. खासकर शहर का मुख्य चौराहा ज्योति टाकीज के पास स्थित सड़क की हालत गंभीर है. चौराहे के किनारे निकली सड़क पर साफ दिखाई देने वाले गड्ढे पैदल यात्रियों व दोपहिया चालकों के लिए सबसे अधिक खतरा बने हुए हैं. बारिश के दौरान चौराहे पर बने पुल में बड़ा गड्ढा बन गया था जो चर्चा में रहा, पुल का गड्ढा तो भर दिया गया, पर आसपास की सड़कें अभी भी खराब स्थिति में हैं. आस पास के लोग बताते हैं कि ऑटो चालकों के पलटने की घटनाए भी सामने आ चुकी हैं, वहीं दोपहिया वाहन चालक रोजाना खतरनाक हालात का सामना करते हैं.बाइक चालक अरुण पाठक ने कहा कि रोज़ रोज घंटो का सफर तय कर काम पर जाता हूं फिर इन ख़राब सड़क पर रोज गाड़ी चलाने से अब मेरे शरीर के साथ साथ दिमाग भी थक गया है पता नहीं ये सड़के कब बनेगी.

अब तक 4 लाख, 45 हजार स्मार्ट मीटर स्थापित

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में लगे मीटर

भोपाल, 07 नवंबर. केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है.

जहां जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिलनी शुरू हो गई है. कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 04 लाख, 45 हजार 644 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं. इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में 02 लाख, 52 हजार 772 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं. कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है. स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं.

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है. कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं. नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है.

15 हजार शिक्षक करेंगे वोटर की गिनती

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 7 नवम्बर. राजधानी में बच्चों की शिक्षा में ताले लगने की नौबत आ गई है.

एक तरफ जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं. वहीं दूसरी तरफ एसआईआर में शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ के लिए लगा दी गई है, जिसके चलते स्कूल में शिक्षकों की कमी और बढ़ गई है. साथ ही पढ़ाई बाधित हो रही है. जिलेभर में 65 हजार बूथ लेवल ऑफिसर अब घर जाकर वोटर की जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस 65 हजार की लिस्ट में 15 हजार की संख्या में शिक्षक शामिल हैं. अब इन शिक्षकों की जिम्मेदारी कौन सम्हालेगा इसका तो कुछ पता नहीं है. 4 नवंबर से शुरू एसआईआर के काम के लिए इन बीएलओ की तैनाती पूरे एक महीने, 4 दिसंबर तक के लिए कर दी गई है, जिसके कारण एक महीने तक स्कूल शिक्षा व्यवस्था और इसकी गति दोनों ही कछुए की चाल में रहेंगी. हालांकि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के स्कूलों के लिए दिला द्वारा पत्र लिखकर शिक्षकों की वापसी की गुहार तो लगाई गई है.

> एसआईआर का कार्य भी एक राष्ट्रीय कार्य है. इसमें शिक्षकों ड्यूटी लगने से छात्रों की स्कूली शिक्षा तो प्रभावित हो रही है. इसीलिए हमने डीपीआई और कलेक्ट्रेट में पत्र भी लिखा है कि हाइस्कूल और इंटरमीडिएट के शिक्षकों की वापसी करायी जाए. जिससे स्कूलों का संलन और शिक्षा व्यवस्था दोनों ठीक हो सके.
>
> **नरेंद्र कुमार अहिरवार,**
> जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

धीरेंद्र शास्त्री को चुनौती

भोपाल. मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री को चुनौती दी है कि वे अनुसूचित जाति की बेटी से विवाह कर समाज में समानता की मिसाल पेश करें. डॉ. सिंह ने आरोप लगाया कि शास्त्री अपने क्षेत्र में जातिवाद मिटाने के बजाय भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं.

ईसीजीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

ईसीजीसी भवन, सीटीएस नंबर 393, 391/1 से 45, एम. वी. रोड, अंधेरी पूर्व, मुंबई - 400 069, भारत

• **टेलि.** : 022-66590 510 • **टोल फ्री क्र.** : 1800-22-4500 • **ई-मेल** : marketing@ecgc.in • हमें www.ecgc.in पर संपर्क करें।

आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या : **124** सीआईएन : **U74999MH1957GOI010918**

पंजीकरण की तिथि : **27 सितंबर, 2002**

ECGC/HO/02/25-26

आप निर्यात पर ध्यान केंद्रित करें. हम जोखिमों से रक्षा प्रदान करेंगे।

30 सितंबर 2025 को समाप्त अर्ध वर्ष के लिए समिक्षीत वित्तिय परिणाम

प्रपत्र एनएल-1-बी-आरए
राजस्व खाता

सं. क्र.	विवरण	अनुसूची संदर्भ प्रपत्र सं.	सितंबर 2025 को समाप्त अवधि के लिए (रु. लाख)	सितंबर 2024 को समाप्त अवधि के लिए (रु. लाख)
1	अर्जित प्रीमियम (निवल)	एनएल-4	538,30.92	516,02.35
2	निवेश की बिक्री / शोधन पर लाभ / हानि		17,53.19	17,54.55
3	ब्याज व लाभांश तथा किराया - सकल		156,03.80	178,73.21
4	अन्य			
	क) अन्य व्यय			
	(i) शुल्क		76.62	65.78
	(ii) परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ		1.01	2.05
	(iii) विविध आय		28.47	1,35.19
	ख) शेयरधारकों के खाते में योगदान			
	(i) प्रबंधन के अतिरिक्त व्यय के प्रति		-	-
	(ii) प्रबंधक निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ कार्यकारी निदेशक/ अन्य प्रमुख प्रबंधन कार्मिको के पारिश्रमिक के प्रति		-	-
	कुल (क)		**712,94.01**	**714,33.13**
6	उपगत दावे (निवल)	एनएल-5	454,11.78	(503,80.30)
7	कमीशन	एनएल-6	(13,93.96)	(27,76.19)
8	बीमा कारोबार से संबंधित परिचालन व्यय	एनएल-7	188,42.20	163,82.55
9	प्रीमियम में कमी		-	-
	कुल (ख)		**628,60.02**	**(367,73.94)**
10	**विविध से परिचालन लाभ/(हानि) (ग) = (क-ख)**		**84,33.99**	**1082,07.07**
11	**विनियोजन**			
	शेयरधारकों के खाते में अंतरण		84,33.99	1082,07.07
	आपात प्रारक्षित निधियों में अंतरण		-	-
	अन्य प्रारक्षित निधियों में अंतरण		-	-
	कुल (ग)		**84,33.99**	**1082,07.07**

प्रपत्र एनएल-2-बी-पीएल
लाभ व हानि खाता

सं. क्र.	विवरण	अनुसूची संदर्भ प्रपत्र सं.	सितंबर 2025 को समाप्त अवधि के लिए (रु. लाख)	सितंबर 2024 को समाप्त अवधि के लिए (रु. लाख)
1	**परिचालन लाभ / (हानि)**	एनएल-1		
	(क) अग्नि बीमा		-	-
	(ख) मरीन बीमा		-	-
	(ग) विविध बीमा		84,33.99	1082,07.07
2	**निवेशों से आय**			
	(क) ब्याज व लाभांश तथा किराया - सकल		450,30.44	403,88.81
	(ख) निवेशों की बिक्री पर लाभ		49,89.84	39,05.30
	(ग) निवेशों की बिक्री पर हानि		-	-
	(घ) निवेश पर प्रीमियम/छूट की ऋणमुक्ति		(6,48.15)	(6,06.51)
3	**अन्य आय**			
	(क) अन्य ब्याज आय		2,19.67	5,63.90
	(ख) अन्य विविध आय तथा फैक्टरिंग आय		8.70	3,87.22
	कुल (क)		**580,34.49**	**1528,45.79**
4	**प्रावधान (कराधान के अलावा)**			
	(क) निवेशों के मूल्य में ह्रास के लिए		-	-
	(ख) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		(29.03)	1,99.61
5	**अन्य व्यय**			
	(क) बीमा कारोबार के अतिरिक्त अन्य व्यय		1,31.56	61.95
	(ख) खराब ऋणों को बट्टे खाते में डाला		-	-
	(ग) अधीनस्थ ऋण पर ब्याज		-	-
	(घ) सीएसआर गतिविधियों पर व्यय		6,24.34	6,38.75
	(ड) जुर्माने		-	-
	(च) पॉलिसीधारक खाते में योगदान		-	-
	(i) प्रबंधन के अतिरिक्त व्यय के प्रति		-	-
	(ii) प्रबंधक निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ कार्यकारी निदेशक/ अन्य प्रमुख प्रबंधन कार्मिको के पारिश्रमिक के प्रति		-	-
	कुल (ख)		**7,26.87**	**9,00.31**
6	**कर पूर्व लाभ / (हानि) (क-ख)**		**573,07.62**	**1519,45.48**
7	**घटाएँ**			
	(क) कराधान के लिए प्रावधान			
	- आस्थगित कर		37.74	2,19.25
	- चालू कर		130,00.00	371,89.00
	(ख) पूर्व अवधि समायोजन		0.40	(28,86.14)
	(ग) कर समायोजन - पूर्व वर्ष		(2,01.37)	5,15.76
8	**कर पश्चात लाभ / (हानि)**		**444,70.85**	**1169,07.61**
9	**विनियोजन**			
	(क) वर्ष के दौरान अदा किया गया अंतरिम लाभांश		-	-
	(ख) अदा किया गया अंतिम लाभांश		-	-
	(ग) फैक्टरिंग योजना के लिए प्रारक्षित निधियों में अंतरण		-	-
	(घ) सामान्य निधियों में अंतरण		-	-
	पिछले वर्ष से आगे लाये गए लाभ / हानि शेष		-	-
	तुलन पत्र में आगे लाये गए शेष		444,70.85	1169,07.61

प्रपत्र एनएल-3-बी-बीएस
तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची संदर्भ प्रपत्र सं.	30 सितंबर 2025 को (रु. लाख)	30 सितंबर 2024 को (रु. लाख)
निधियों के स्रोत			
शेयर पूंजी	एनएल-8	4338,00.00	4338,00.00
प्रारक्षित निधियाँ तथा अधिशेष	एनएल-10	9157,66.71	8239,16.13
शेयर पूंजी के लिए अग्रिम राशि		-	-
उचित मूल्य परिवर्तन खाता - शेयरधारक		1253,51.57	1488,12.93
उचित मूल्य परिवर्तन खाता - पॉलिसीधारक		440,42.45	668,57.98
उधार	एनएल-11	-	-
कुल		**15189,60.73**	**14733,87.04**
निधियों के अनुप्रयोग			
निवेश - शेयरधारक	एनएल-12	13399,88.26	12088,99.83
निवेश - पॉलिसी धारक	एनएल-12ए	4708,06.66	5431,28.89
ऋण	एनएल-13	-	-
स्थिर परिसंपत्तियाँ	एनएल-14	445,47.56	424,01.23
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		27,08.95	41,61.52
चालू परिसंपत्तियाँ			
नकद तथा बैंक शेष	एनएल-15	1336,51.49	1301,46.02
अग्रिम तथा अन्य परिसंपत्तियाँ	एनएल-16	797,01.03	975,61.62
उप कुल (क)		**2133,52.52**	**2277,07.64**
आस्थगित कर देयताएं (निवल)		-	-
चालू देयताएं	एनएल-17	4772,76.03	4755,70.80
प्रावधान	एनएल-18	751,67.19	773,41.27
उप कुल (ख)		**5524,43.22**	**5529,12.07**
निवल चालू परिसंपत्तियाँ (ग) = (क-ख)		**(3390,90.70)**	**(3252,04.43)**
विविध व्यय (बट्टे खाते में न डाली गयी अथवा असमायोजित सीमा तक)	एनएल-19	-	-
लाभ तथा हानि खाते में डेबिट शेष		-	-
कुल		**15189,60.73**	**14733,87.04**

प्रपत्र एनएल-20-विश्लेषणात्मक अनुपात अनुसूची
गैर जीवन कंपनियों के लिए विश्लेषणात्मक अनुपात

सं. क्र.	विवरण	सितंबर 2025 को समाप्त अवधि के लिए	सितंबर 2024 को समाप्त अवधि के लिए
1	सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम वृध्दि दर	9.20%	8.73%
2	निवल मालियत की तुलना में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम अनुपात	0.05	0.05
3	निवल मालियत की वृद्धि दर	7.30%	16.63%
4	निवल प्रतिधारण अनुपात	82.46%	84.56%
5	निवल कमीशन अनुपात	-2.51%	-5.32%
6	सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम की तुलना में प्रबंधन व्यय अनुपात	29.97%	27.97%
7	निवल अंकित प्रीमियम की तुलना में प्रबंधन व्यय अनुपात	31.85%	26.64%
8	निवल अर्जित प्रीमियम की तुलना में निवल अधिमानित दावे	84.36%	-97.63%
9	दावे प्रावधानों की तुलना में प्रदत्त दावे	3.39%	1.98%
10	सम्मिलित अनुपात	116.21%	-70.99%
11	निवेश आय अनुपात	7.52%	7.59%
12	निवल प्रीमियम की तुलना में तकनीकी प्रारक्षित निधियाँ अनुपात	8.69	9.20
13	हामीदारी संतुलन अनुपात	-16.77%	171.26%
14	परिचालन लाभ अनुपात	15.67%	209.69%
15	देयताओं की तुलना में चल परिसंपत्तियाँ अनुपात	0.52	0.46
16	निवल अर्जन अनुपात	80.09%	224.23%
17	निवल मालियत पर अर्जन अनुपात	3.30%	9.30%
18	आवश्यक शोधन क्षमता मार्जिन की तुलना में उपलब्ध शोधन क्षमता अनुपात	55.47	50.24
19	एन पी ए अनुपात		
	सकल एनपीए अनुपात		
	निवेश :	0.49%	0.52%
	फैक्टरिंग :	96.70%	88.71%
	निवल एनपीए अनुपात		
	निवेश :	0.49%	0.52%
	फैक्टरिंग :	96.70%	88.71%
20	ऋण हिस्सेदारी अनुपात	-	-
21	ऋण सेवा बीमाकृत राशि अनुपात	-	-
22	ब्याज सेवा बीमाकृत राशि अनुपात	-	-
23	प्रति शेयर अर्जन	10.25	26.95
24	प्रति शेयर अंकित मूल्य	311.10	289.93

नोट्स

1. यह सार्वजनिक प्रकटीकरण भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के परिपत्र संख्या आईआरडीएआई/एफएंडए/सीआईआर/एमआईएससी/256/09/2021 दिनांक 30 सितंबर, 2021 के अनुसार किया गया है।
2. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखा समिति द्वारा समीक्षा की गई और तत्पश्चात दिनांक 07 नवंबर, 2025 को हुई निदेशक मंडल की बैठक में अनुमोदित किया गया है।
3. पिछले साल के आंकड़े जहाँ भी आवश्यक हो समायोजित / पुनः वर्गीकृत किये गए हैं।

स्थान : मुंबई
दिनांक : 07 नवंबर, 2025

बीमा आग्रह की विषयवस्तु है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

हस्ताक्षर/-
(सृष्टिराज अम्बष्ठ)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
डिआईएन - 10375617